# साइकेडेलिक पदार्थ

## प्रिलिम्स के लिये:

साइकेडेलिक पदार्थ, मनोचिकित्सा, NDPS अधिनियम 1985, अवसाद, नशीली दवाओं की तस्करी।

## मेन्स के लिये:

साइकेडेलिक पदार्थ और उनके निहितार्थ।

## चर्चा में क्यों?

हाल के वर्षों में मनोचिकित्सा **(Psychiatry)** के नैदानिक और अनुसंधान क्षेत्र में साइकेडेलिक्स पदार्थ के उपयोग को फिर से महत्त्व दिया जा रहा है।

- भारत **नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस एक्ट, 1985** साइकेडेलिक पदार्थों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है।

## साइकेडेलिक:

- **परिचय:**
  - साइकेडेलिक्स दवाओं का एक समूह है जो **धारणा, मनोदशा और विचार प्रक्रिया को बदल देता है,** जबकि व्यक्ति स्पष्ट रूप से सचेत होता है। सामान्यतः व्यक्ति की **सूझबूझ या दृष्टिकोण भी अक्षुण्ण रहती है।**
  - **साइकेडेलिक्स ज़हरीले पदार्थों या नशे की लत नहीं हैं।** अवैध दवाओं की तुलना में साइकेडेलिक्स **बहुत कम हानिकारक हैं।**
    - दो सबसे अधिक इस्तेमाल किये जाने वाले साइकेडेलिक्स **डी-लिसेर्जिक एसिड डायथाइलैमाइड** (LSD) और **साइलोसाइबिन** (psilocybin) हैं।
    - **मेस्केलिन** कम इस्तेमाल किये जाने वाले साइकेडेलिक्स में से है जो **उत्तर अमेरिकी पियोट कैक्टस** (?????????? ??????????) में पाया जाता है और एन, **एन-डाइमिथाइलट्रिप्टामाइन,** दक्षिण अमेरिकी धार्मिक अनुष्ठान **अयाहुस्का** का एक प्रमुख घटक है।
- **उपभोग के बाद शरीर पर प्रभाव:** साइकेडेलिक पदार्थों का उपयोग करने वालों में **सोचने, समझने के तरीके में बदलाव, मनोदशा में परिवर्तन तथा मतिभ्रम** जैसे अनुभव देखने को मिलते हैं:
  - **दृश्य क्षेत्र (Vision Domain)** उन क्षेत्रों में से एक है जिसमें **अवधारणात्मक बदलाव सबसे अधिक बार होता है।**
    - संवेदी तौर-तरीके में बदलाव की विचित्र घटना देखी जा सकती है जिसे **सिनेस्थेसिया** कहा जाता है, इसमें एक व्यक्ति को **आवाजें दिखाई** दे सकती हैं और वह **रंगों को सुन** सकता है।
  - दैहिक अनुभवों में **आंत्र संबंधी, स्पर्शनीय और इंटरओसेप्टिव (शरीर की आंतरिक स्थितियाँ) अनुभूतियाँ** शामिल की जा सकती हैं।
  - **उत्साह, चिंता और व्यामोह** मनोदशा परिवर्तन के अंतर्गत आते हैं।
  - उत्साही अनुभवों में व्यक्ति को **पारलौकिक आध्यात्मिक अनुभव** भी हो सकता है।
- **मुद्दे:**
  - ओवरडोज़ के लिये कम उद्दीपन और आश्वस्त वातावरण में **कार्डियक मॉनिटरिंग तथा सहायक प्रबंधन** की आवश्यकता होती है।
  - सिंथेटिक साइकेडेलिक्स (जैसे 25I-NBOMe) **एक्यूट कार्डियक, सेंट्रल नर्वस सिस्टम** और लिम्ब इस्केमिया के साथ-साथ सेरोटोनिन सिंड्रोम से जुड़े हुए हैं।
    - सिंथेटिक साइकेडेलिक के उपयोग को सीधे तौर मौत के लिये ज़िम्मेदार ठहराए जाने की खबरें भी मिली हैं।
- **अवसाद/डिप्रेशन का उपचार:**

- नवंबर 2022 में **साइलोसाइबिन चरण- II के परीक्षण के परिणाम** न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित हुए थे। परीक्षण में पाया गया कि साइलोसाइबिन की 25 मिलीग्राम की **एक एकल खुराक ने उपचार-प्रतिरोधी** अवसाद **वाले लोगों में तीन सप्ताह** में अवसाद के स्तर को कम कर दिया।
- इन निष्कर्षों को हाल ही में एक **चरण- IIB परीक्षण में दोहराया गया था, जिसमें पाया गया कि 25 मिलीग्राम साइलोसाइबिन की एक खुराक से अवसाद** की गंभीरता, चिंता की स्थिति में सुधार देखा गया।

## नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सबस्टेंस एक्ट 1985:

- यह 1985 में अधिनियमित किया गया था और देश में **ड्रग्स और उनकी तस्करी** से संबंधित है।
    - वर्ष 1988, 2001 और 2014 के बाद अधिनियम में तीन बार संशोधन किये गए हैं।
- अधिनियम भाँग, हेरोइन, अफीम आदि सहित अनेक **मादक दवाओं या मन:प्रभावी पदार्थों** के उत्पादन, निर्माण, बिक्री, खरीद, परिवहन तथा उपभोग पर प्रतिबंध लगाता है।
    - हालाँकि अधिनियम के तहत **भाँग** प्रतिबंधित नहीं है।
- NDPS अधिनियम की **धारा 20** के तहत अधिनियम में परिभाषित **भाँग के उत्पादन, निर्माण, बिक्री, खरीद, आयात और अंतर-राज्य निर्यात** के लिये दंड का प्रावधान है। निर्धारित सज़ा जब्त दवाओं की मात्रा पर आधारित है।
- यह कुछ मामलों में मौत की सज़ा का भी प्रावधान करती है **जहाँ एक व्यक्ति बार-बार अपराध करता है।**

## स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/psychedelic-substances